>

Title: Need to construct dams on important rivers in Nawada Parliamentary Constituency of Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति जी, मैं बिहार का नवादा हूँ एक प्यासी आत्मा हूँ। ऐसी बात नहीं कि हमारी कोख से नदियां नहीं निकली हैं। अपरसकरी है, ढाढर है, खुड़ी है, तिलैया है और धनंजय है। सभापति जी, हमारी ये नदियां तीन महीने में जन्म लेती, युवा होती और मर जाती हैं। आज मैं इस सदन में भारत की माँ की जो सिहरन है, जो अर्चना है, जो व्यथा है, उसको फिर से आपके सामने रखता हूँ। जब कभी मैं ज़ीरो आवर में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ तो आसन पर आप ही रहे हैं। मैं एक बात कह कर अपनी बात समाप्त करता हूँ। हम इस हालत में हैं कि बिहार केसरी, बिहार के प्रथम मुख्य मंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह ने हमें सहलाने का काम किया पर वह योजना अधूरी रही। फिर बिहार के चंद्रशेखर सिंह ने हमें दुलारने की कोशिश की पर वह योजना काल का ग्रास बन गई। अभी भारत सरकार फिर एक योजना ले कर आई है। सभापति महोदय, यह योजना है कि बाढ़ में गंगा नदी में और नवादा में गंगा नदी में भारत सरकार की जो पंप योजना है, वह 13 हज़ार करोड़ रूपये की योजना है। इतिहास, समय और काल ने मुझे बड़ा प्रताड़ित किया है।

सभापति महोदय, हम आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि अनंत काल से मैं प्यासी आत्मा हूँ, नदियां हूँ, फिर भी प्यासी हूँ। आज इस सदन में मैं अपनी व्यथा को रखता हूँ।

*t